हिन्दी दैनिक

स्वाभिमान जागरण

RNI.No.- UPHIN/2021/84176

लखनऊ से प्रकाशित..

वर्ष : 04 अंक : 331 लखनऊ, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1.00 रूपया

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी पर खड़गे की टिप्पणी से नाराज भाजपा का प्रदर्शन, कई नेता हिरासत में लिए गए

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में की गयी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की विवादित टिप्पणी के विरोध में भाजपा नेताओं ने सोमवार को यहां श्फ्रीडम पार्कश में प्रदर्शन किया और उनसे देश की जनता से माफी की मांग की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी। कार्यक्रम के दौरान भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने जब कहा कि मोदी नहीं जाएंगे तो खड़गे ने जवाब देते हुए कहा कि मोदी का बाप भी जाएगा, बाप भी जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने खड़गे के खिलाफ नारे लगाए, लगाए गए बैरिकेड पर चढ़ गए और विध ाानसौध की ओर मार्च करने की कोशिश की। पुलिस ने कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलावादी नारायणस्वामी, अश्वथ नारायण, सी. पी. राममूर्ति और एमएलसी एन. रविकुमार समेत भाजपा के कई नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें उप्परपेट पुलिस थाने ले गई।

सीबीएसई का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल से कार्य–जगत में प्रवेश को सुगम बनाने पर होगा मंथन

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 26–27 अक्टूबर को स्कूल से कार्य–जगत में प्रवेश को सुगम बनाने के विषय पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। दिल्ली–एनसीआर के सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स के सहयोग से आयोजित इस दो–दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य मुख्यधारा की स्कूली शिक्षा के साथ कौशल विकास के एकीकरण को मजबूत करना है, ताकि छात्रों के लिए स्कूल से कार्य–जगत में प्रवेश को सुगम बनाया जा सके। उद्घाटन समारोह में, स्कूली शिक्षा सचिव टी.के. अनिल कुमार ने इस सम्मेलन की चार मुख्य प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। इनमें प्रौद्योगिकी, डिजिटल सुरक्षा और कौशलय डिजाइन, रचनात्मकता और नवाचारय नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के जरिए शिक्षा प्रणालियों में कौशल को मान्यता देनाय और समान अवसरों के साथ करियर मार्गदर्शन शामिल हैं।

वोट चोरी के खुलासों के बावजूद ज्ञानेश कुमार को बचाने में जुटी सरकार : मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि श्वोट चोरी के अनगिनत खुलासोंश के बावजूद केंद्र सरकार मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर हथकंडा अपना रही है। उन्होंने लोगों से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित इंडिया गठबंधन की रैली में शामिल होने की अपील की। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा तथा ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

ब्राजील में चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव जीते लूला दा सिल्वा, मोदी ने दी बधाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित टिप्पणी को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। इस बयान के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दिल्ली इकाई ने राजधानी में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा समेत कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए नेताओं को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया गया। दिल्ली भाजपा ने सेना भवन सर्किल और राजा जी मार्ग के आसपास खरगे की टिप्पणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हर्ष मल्होत्रा को हिरासत में लिया। उनके साथ दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष राजेश भाटिया और महासचिव मोहन लाल गिहारा को भी हिरासत में लिया गया। इसके



अलावा कई अन्य नेताओं को भी पुलिस अपने साथ ले गई। भाजपा नेताओं की हिरासत के बाद यह मामला राजनीतिक रूप से और गरमा गया। पार्टी ने खरगे की टिप्पणी को लेकर आपत्ति जताई है और नेताओं की सार्वजनिक भाषा में मर्यादा बनाए रखने की मांग की है। विवाद की शुरुआत बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई। कार्यक्रम में भाषण देते समय मल्लिकार्जुन खरगे के सामने कथित तौर पर एक व्यक्ति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाने वाले हैं। इसके जवाब में खरगे ने कहा, 'मोदी के बाप भी चले जाएंगे।' इस टिप्पणी को भाजपा ने प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता के प्रति अपमानजनक बताया। इसके बाद पार्टी नेताओं ने बयान की आलोचना शुरू कर दी और विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया। भाजपा ने खरगे की टिप्पणी के खिलाफ देशभर में पार्टी कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन करने का फैसला किया है। पार्टी की राज्य इकाइयों से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध ा दर्ज कराने को कहा गया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सार्वजनिक मंचों पर भाषा की मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। वहीं, इस विवाद ने भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी को एक बार फिर तेज कर दिया है।

महाराष्ट्र एसआईआर विवाद, 33% मतदाताओं के नाम कटने का दावा, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब

एजेंसी

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राज्य में पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान करीब 33 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोप वाली याचिका पर शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। हालांकि, अदालत ने दस्तावेज जमा करने और दावे–आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा तत्काल बढ़ाने का आदेश नहीं दिया। मामले की अगली सुनवाई पांच नवंबर को निर्धारित की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता अरुण अनंदगिरि की याचिका पर सुनवाई की। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने दलीलें पेश कीं। याचिका में मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की आशंका जताई गई है। अदालत ने इन आरोपों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। हालांकि, 33 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटने का दावा याचिका में उठाया गया आरोप है, इसे अदालत द्वारा प्रमाणित निष्कर्ष नहीं माना जाना





चाहिए। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने बताया कि मुंबई और पुणे में करीब 3,500 पुनर्विकास परियोजनाएं चल रही हैं। इन परियोजनाओं के कारण पुरानी आवासीय इमारतों और कॉलोनियों को तोड़ा जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को दूसरी जगह स्थानांतरित होना पड़ रहा है। याचिकाकर्ता की दलील है कि पता और अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने में कठिनाई के चलते ऐसे मतदाताओं के नाम सूची से हटने का खतरा है। उन्होंने चुनाव आयोग से पहले से पंजीकृत मतदाताओं के लिए अलग फॉर्म उपलब्ध कराने की मांग भी की। उनका कहना था कि पुराने मतदाताओं से नए पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाला फॉर्म–6 भरवाना उचित नहीं है।

राहुल गांधी को बड़ी राहत, अमित शाह पर टिप्पणी के मानहानि केस में सुल्तानपुर कोर्ट ने किया बरी

एजेंसी

सुल्तानपुर। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांध ी को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से बड़ी राहत मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कथित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में अदालत ने सोमवार को उन्हें बरी कर दिया।



यह मामला वर्ष 2018 में कर्नाटक विध ाानसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक बयान को लेकर दर्ज कराया गया था। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी अदालत में मौजूद रहे। फैसले के साथ ही इस मामले में उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाही को लेकर अहम मोड़ आया है। यह मामला मई 2018 का है, जब कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। आरोप था कि इस दौरान उन्होंने बीजेपी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिससे उनकी मानहानि हुई। बीजेपी नेता और सुल्तानपुर जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ अदालत में शिकायत दाखिल की थी। शुरुआत में मामला सिविल कोर्ट में चला, जिसके बाद इसे सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली एमपी–एमएलए अदालत में स्थानांतरित किया गया मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को आरोपी के रूप में समन जारी किया था। इसके बाद 20 फरवरी 2024 को राहुल गांधी सुल्तानपुर की अदालत में पेश हुए। उस समय उन्हें 25–25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत मिली थी। पेशी के दौरान राहुल गांधी ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था। उन्होंने इस कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताया था। इसके बाद मामले में सुनवाई आगे बढ़ी और शिकायतकर्ता की ओर से गवाह भी पेश किए गए। ट्रायल के दौरान शिकायतकर्ता विजय मिश्रा की ओर से तीन गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। इनमें विजय मिश्रा के अलावा अनिल मिश्रा और रामचंद दुबे शामिल थे। शिकायतकर्ता ने राहुल गांधी की आवाज का नमूना लेने की मांग करते हुए अदालत मेंआवेदन भी दिया था। हालांकि, ट्रायल कोर्ट ने वॉइस सैंपल लेने की मांग खारिज कर दी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने सेशन कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट का भी रुख किया, लेकिन वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली। राहुल गांधी के खिलाफ एक अन्य मामले में भी मुस्लिम विरोधी टिप्पणी करने के आरोपों को लेकर मुकदमा चलाने की मांग की गई थी। मुजफ्फरनगर दंगों और कथित आईएसआई संबंधों से जुड़े बयान को आधार बनाकर अधिवक्ता मोहम्मद अनवर ने याचिका दाखिल की थी।

इंडिया ब्लॉक की रैली पर विवाद, राहुल गांधी बोले-

सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में रुक जाएगा आंदोलन

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली में एक नवंबर को प्रस्तावित इंडिया ब्लॉक की रैली को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राजधानी के व्यापारिक संगठनों ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंध ान से रैली को दिवाली के बाद आयोजित करने की मांग दोहराई है। वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग करते हुए कहा कि ऐसा होने पर आंदोलन 30 सेकंड में रुक जाएगा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दिल्ली के व्यापारियों को संबोधित करते हुए लिखा कि वे उनकी बात सुन रहे हैं और उनके साथ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने मेट्रो बंद की, सड़कें सील कीं और राजधानी में आवाजाही प्रभावित हुई। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में वोट चोरी के आरोपों को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि जब वोट ही सुरक्षित नहीं रहेगा, तो दुकान, बचत और बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित नहीं रह सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग करते हुए दावा किया कि इससे आंदोलन समाप्त हो सकता है। ये



आरोप राहुल गांधी के राजनीतिक रुख का हिस्सा हैं। दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों के संगठन चौंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने रैली के आयोजन पर कांग्रेस और गठबंधन के सहयोगियों से चर्चा करने की बात कही थी। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि दिवाली से पहले कारोबार अपने चरम पर रहता है। ऐसे समय में बड़ी रैली होने से यातायात प्रभावित होने और ग्राहकों की आवाजाही घटने की आशंका है। संगठन ने खरगे से व्यापारियों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की तारीख बदलने का अनुरोध किया है। व्यापारियों के मुताबिक, रामलीला मैदान के आसपास चांदनी चौक, सदर बाजार, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, खारी बावली, भागीरथ पैलेस और करोल बाग समेत कई बड़े थोक एवं खुदरा बाजार हैं। उनका कहना है कि रैली के दौरान यातायात प्रतिबंधों और भीड़ के कारण इन बाजारों में कारोबार प्रभावित हो सकता है। सीटीआई ने दावा किया कि इन बाजारों में लाखों व्यापारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों की आजीविका जुड़ी है। संगठन ने 10 अक्टूबर को जंतर–मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान यातायात और कारोबार पर पड़े कथित असर का भी हवाला दिया। खरगे ने रैली को लेकर सहयोगी दलों से चर्चा के बाद निर्णय लेने की बात कही थी। व्यापारियों को उम्मीद है कि उनकी मांग पर विचार किया जाएगा। हालांकि, रैली को स्थगित करने या उसकी तारीख बदलने के संबंध में अंतिम निर्णय की पुष्टि जरूरी है। फिलहाल, राजनीतिक विरोध और त्योहार के कारोबार को लेकर दिल्ली में बहस जारी है।

दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में लगी आग पर पाया गया काबू

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली में रायसीना हिल पर स्थित एक ऐतिहासिक प्रशासनिक इमारत नॉर्थ ब्लॉक में सोमवार सुबह आग लग गई। आग लगने से आसमान में घना काला ध ुआं छा गया जिसके बाद दिल्ली फायर सर्विस ने तुरंत कार्रवाई की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आग को बुझा दिया गया है और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। लाल बलुआ पत्थर से बनी इमारत के पीछे सोमवार सुबह के आसमान में घना काला धुआं उठता दिखाई दिया, जिससे वहां आग लगने की आशंका पैदा हो गई। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, वहां वेल्डिंग का काम चल रहा था। बताया जा रहा है कि वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी पास रखे एक टैंक पर जा गिरी, जिससे आग लग गई। आग पर काबू पा लिया गया है और किसी के घायल होने या जान जाने की कोई खबर नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधि ाकारियों ने बताया कि उन्हें नॉर्थ ब्लॉक के अंदर किसी अज्ञात जगह से धुआं निकलने की सूचना मिली थी। इस अलर्ट के बाद, स्थिति का जायजा लेने और आग बुझाने के लिए छह दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

बेंगलुरु की आईटी कंपनियों में कन्नड़ युवाओं को नौकरी नहीं मिली तो होगी कार्रवाई, डीके शिवकुमार की चेतावनी

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने निजी कंपनियों में स्थानीय युवाओं के साथ कथित भेदभाव पर जताई नाराजगी, कहा– कन्नड़ अभ्यर्थियों के अधिकारों से समझौता नहीं करेगी सरकार। सोशल मीडिया पर एक युवती का वीडियो वायरल होने के बाद गरमाया मामला। भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने निजी संस्थानों में कन्नड़ अभ्यर्थियों के साथ कथित भेदभाव पर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि किसी कंपनी ने जानबूझकर स्थानीय उम्मीदवारों को नौकरी के अवसरों से वंचित किया, तो राज्य सरकार उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी। शिवकुमार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कन्नड़ अभ्यर्थियों के अधिकारों, सम्मान और रोजगार के अवसरों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। बेंगलुरु की आईटी कंपनियों में कन्नड़ भाषी युवाओं को रोजगार नहीं मिलने की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। सरकार इस मामले की अनदेखी नहीं करेगी और स्थानीय युवाओं की चिंताओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि कर्नाटक को अपने युवाओं की प्रतिभा, कौशल और क्षमताओं पर गर्व है। बेंगलुरु ने वैश्विक स्तर पर भारत की प्रौद्योगिकी राजधानी के रूप में पहचान बनाई है। इस उपलब्धि में राज्य के युवाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। ऐसे में यदि किसी संस्थान की भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक युवती का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। वीडियो में युवती ने आरोप लगाया कि नौकरी के लिए आवेदन करने वाले जिन उम्मीदवारों ने कन्नड़ को अपनी मातृभाषा बताया, उन्हें शुरुआती चयन प्रक्रिया में ही बाहर कर दिया गया। युवती ने दावा किया कि कंपनियां इसके बजाय तेलंगाना, आंध्र प्रदेश



ओर से स्थानीय उम्मीदवारों को जानबूझकर नजरअंदाज किए जाने की बात सामने आती है, तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा। शिवकुमार के मुताबिक, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कन्नड़ भाषी युवाओं को रोजगार के लिए उचित अवसर मिलें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कारण से स्थानीय अभ्यर्थियों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। यह विवाद उस समय सामने आया, जब बेंगलुरु की आईटी कंपनियों में और तमिलनाडु के उम्मीदवारों को कम वेतन पर नौकरी दे रही हैं। उसने बेंगलुरु के कॉलेजों में कैंपस प्लेसमेंट नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। युवती के अनुसार, स्थानीय विद्यार्थियों को पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उसने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की।

लखीमपुर खीरी हिंसा मामला, सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को दीपावली पर परिवार से मिलने की दी इजाजत

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को अपने परिवार और करीबी रिश्तेदारों के साथ दीपावली मनाने के लिए घर जाने की इजाजत दे दी। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने आशीष मिश्रा की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें उसने त्योहार के लिए अपने गृहनगर जाने की अनुमति मांगी थी। अदालत ने उसे 16 नवंबर तक वापस लौटने का निर्देश दिया। आशीष मिश्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने पहले भी त्योहारों के मौकों पर उसे ऐसी ही छूट दी थी। आशीष मिश्रा ने अपने परिवार के साथ दीपावली मनाने के लिए एक हफ्ते के लिए वहां जाने की अनुमति मांगी थी। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस अनुरोध ा को स्वीकार कर लिया। अपने आदेश में पीठ ने कहा कि आशीष मिश्रा अपनी जमानत की शर्तों का पालन करते हुए परिवार और करीबी रिश्तेदारों के साथ दीपावली मनाने के लिए लखीमपुर खीरी जा सकता है। सुनवाई के दौरान, सर्वोच्च न्यायालय को मुकदमे (ट्रायल) में हुई प्रगति के बारे में भी जानकारी दी गई। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता रुचिरा गोयल ने सीजेआई सूर्यकांत की पीठ को बताया कि इस मामले में एक विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नियुक्त किया गया है। मुकदमे की ध ीमी गति को लेकर जताई गई चिंताओं पर, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि



सुनवाई न तो बहुत जल्दबाजी में होनी चाहिए और न ही इसमें बहुत अधिक देरी होनी चाहिए। इसे समय पर पूरा करना जरूरी है। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने टिप्पणी की, मुकदमा समय पर पूरा होना चाहिए। न तो बहुत ज्यादा जल्दबाजी होनी चाहिए और न ही बहुत ज्यादा देरी। अभियोजन पक्ष को इसमें संतुलन बनाए रखना होगा। सुनवाई के दौरान ट्रायल जज के तबादले का मुद्दा भी उठा। इससे पहले पीड़ितों की ओर से जज के आचरण पर सवाल उठाए गए थे। पीड़ितों की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने तबादले से जुड़े घटनाक्रम पर संतोष जताया। हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि यह तबादला एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया थी और यह जज के खिलाफ किसी संदेह या प्रतिकूल निष्कर्ष पर आधारित नहीं था। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रहा है। अदालत ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जो सुधारात्मक कदम उठाए हैं, वे पर्याप्त हैं। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय के 22 सितंबर के उस निर्देश से जुड़ा है, जिसमें अदालत ने ट्रायल जज के आचरण के खिलाफ लगाए गए आरोपों वाली याचिका को उचित कार्रवाई के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेजने और सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट मांगने का आदेश दिया था।

सम्पादकीय

खतरे में देश की सुरक्षा और विकास

पिछले तीन सालों से मणिपुर में जारी हिंसा पर मोदी सरकार अब तक रोक नहीं लगा पाई है। मुख्यमंत्री का इस्तीफा, राष्ट्रपति शासन और फिर नए मुख्यमंत्री के आने के बावजूद कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जो जातीय हिंसा शुरु हुई, वो किसी भी तरह रुकने का नाम नहीं ले रही है। अभी अक्टूबर महीने में ही कम से कम 14 लोगों की जान इस हिंसा में चली गई है। लेकिन पुलिस का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। मुमकिन है पुलिस अपनी हद में संभव सारे उपायों को आजमा भी रही हो, लेकिन जब तक सरकार नहीं चाहेगी, शांति कायम नहीं होगी, यह तथ्य है। राज्य और देश में पुलिस का नहीं भाजपा का शासन है, लिहाजा पहली जिम्मेदारी उसी की बनती है। मगर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों को उनके हाल पर छोड़ दिया है, यह लगातार नजर आ रहा है। मणिपुर के बाद अब अरुणाचल प्रदेश के हालात बिगड़ रहे हैं। एक तरफ चीन की तरफ से अतिक्रमण रुक नहीं रहा है और दूसरी तरफ सियांग बांध परियोजना के विरोध में स्थानीय लोग उतर आए हैं। देश के मीडिया का वह हिस्सा जो खुद को मुख्यधारा कहता है, उसका भी रवैया पूर्वोत्तर को लेकर सरकार से अलग नहीं है। यहां की खबरें उसके लिए तभी मायने रखती हैं, जब उनसे कुछ सनसनी फैलाने की गुंजाइश उसे नजर आए। वर्ना क्या कारण है कि अरुणाचल प्रदेश के लोग जब लगातार चीन की घुसपैठ को लेकर आवाज उठा रहे थे, यहां तक कह रहे थे कि कुछ दिन में हम चीनी कहलाएंगे, भारतीय नहीं, तब भी मीडिया में इन खबरों को प्रमुखता से दिखाकर सरकार से सवाल नहीं पूछे गए। किसी भाजपा प्रवक्ता को बिठाकर एंकर्स ने यह नहीं कहा कि जो ऐसे वीडियो आ रहे हैं, उन पर आपका क्या कहना है। पाकिस्तान ने कब, कहां से घुसपैठ की योजना बनाई, देश में कौन लोग हैं जो पाकिस्तान का प बोलते हैं, इन सब पर तो मीडिया खूब खबरें चलाता है और खबरें न हों तो किसी न किसी तरह बनवा लेता है। अभी छात्र आंदोलन या वोट चोरी के खिलाफ हो रहे आंदोलन में भी पाकिस्तानी मदद का षड्यंत्र इस तथाकथित मुख्यधारा के मीडिया ने पकड़ लिया है। लेकिन चीन किस तरह अरुणाचल प्रदेश पर अपना कब्जा बढ़ाता जा रहा है, यह अरुणाचल प्रदेश के लोग लगातार बता रहे हैं, वहां का मीडिया इस पर खबरें बना रहा है, मगर उन पर न दिल्ली में बैठे सेलिब्रिटी एंकर्स बात कर रहे हैं, न उनकी मालिक सरकार कुछ कह रही है। लेकिन सच बहुत वक्त तक छिपता नहीं है। हाल ही में आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया है कि अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ लगातार मुठभेड़ हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से चीन का मुकाबला करना संभव नहीं है। कायदे से इस भाषण के बाद रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री तीनों को वस्तुस्थिति बतानी चाहिए थी। संसद सत्र में तो विपक्ष इस पर सवाल पूछेगा ही, लेकिन देश की सीमा पर क्या चीन से खतरा बढ़ा है, यह जानकारी देने के लिए सत्र का इंतजार नहीं किया जा सकता। मगर बजाए स्पष्टीकरण देने के सरकार ने इस भाषण को ही आईटीबीपी के हैंडल से हटवा दिया है। याद कीजिए जब राहुल गांधी ने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' का जिक्र कर बताया था कि 31 अगस्त 2020 को लद्दाख के रेचिन ला पास पर चीनी सेना के चार टैंकों और सैनिक आगे बढ़ रहे थे, तो कार्रवाई के लिए जनरल नरवणे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बात की थी, तब उन्हें ऊपर यानी प्रधानमंत्री कार्यालय से यह निर्देश मिला था कि—'जो उचित समझो, वो करो'। राहुल गांधी के इस खुलासे पर भाजपा फंस गई तो उसने फिर इस मुद्दे पर राहुल को बोलने ही नहीं दिया और न ही नरवणे की किताब को प्रकाशन की अनुमति मिली। मोदी सरकार का तरीका यही है कि न खुद सच बताओ, न किसी और को बताने दो। लेकिन सच फिर भी सामने आ जाए, तो उसे दबा दो। सच को दफ्न कर—कर के ही पिछले 12 सालों से मोदी सरकार चली जा रही है। लेकिन इसका खामियाजा अब उन राज्यों को ज्यादा भुगतना पड़ रहा है, जो पहले दिल्ली से भौगोलिक तौर पर दूर थे और अब भावनात्मक तौर पर भी अलग—थलग किए जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा को सत्ता तो चाहिए, लेकिन केवल इसलिए ताकि यहां की प्रचुर प्राकृतिक संपदा का मनचाहा दोहन उसके चहेते उद्योगपति कर सकें। लद्दाख को भी जम्मू—कश्मीर से अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया, वहां भी विशिष्ट खनिज पदार्थों की लूट का खतरा बढ़ा है। इधर अरुणाचल प्रदेश में स्थानीय लोगों को भरोसे में लिए बिना 11,200 मेगावाट की सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना शुरु की गई। शुरुआत से ही स्थानीय किसान संगठन और 'सियांग इंडिजिनस फार्मर्स फोरम' इसका विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस विशाल बांध के बनने से लगभग 27 से अधिक गांव और पुश्तैनी कृषि भूमि डूब क्षेत्र में आ सकते हैं, जिससे स्थानीय आबादी के बड़े पैमाने पर विस्थापित होने का डर है। वो सवाल उठा रहे हैं कि क्या इस आबादी का पुनर्वास कैसे होगा, क्या ये अपने ही घर में शरणार्थी बना दिए जाएंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि इस परियोजना की 'प्री—फीजिबिलिटी रिपोर्ट' और सर्वेक्षण से पहले स्थानीय लोगों, पारंपरिक ग्राम परिषदों (केबांग) और प्रभावित परिवारों को भरोसे में नहीं लिया गया और उनकी सहमति के बिना जबरन सुरक्षा बल तैनात किए गए। जिससे विरोध और बढ़ गया है। सरकार इस बांध को राष्ट्रीय हित में बता रही है और कह रही है कि चीन जो बड़े बांध बना रहा है, उससे मुकाबले के लिए यह जरूरी है। लेकिन स्थानीय समुदाय इसे अपनी आजीविका और संस्कृति पर सीधा संकट मान रहे हैं, और साथ ही जैव विविधता, वनों और स्थानीय पारिस्थितिकी को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। ठीक ऐसा ही विरोध अंडमान—निकोबार के आदिवासी भी ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर कर रहे हैं। उसमें भी हजारों सालों में बने जंगल एयरपोर्ट और उर्जा संयंत्र बनाने के नाम पर काट दिए जाएंगे। तर्क वही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के लिए यह जरूरी है। मोदी सरकार लगातार यही दिखाते आई है कि देश के विकास और सुरक्षा की फिक्र उसके अलावा और किसी ने नहीं की। लेकिन देश पहले भी आगे बढ़ा, हमारी सीमाएं सुरक्षित भी रहीं। कभी घुसपैठ हुई भी तो सरकार ने उसे छिपाया नहीं और दुश्मनों को माकूल जवाब भी दिया। मगर अब सरकार की चुप्पी ही देश के विकास और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है।

विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा विपक्ष के नेता का उपहास करना हास्यास्पद

डॉ. ज्ञान पाठक

प्रधानमंत्री को विपक्ष के नेता की जोरदार आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन पद की गरिमा कड़ी राजनीतिक आलोचना और व्यक्तिगत उपहास के बीच अंतर की मांग करती है। फिर भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अक्टूबर 2026 को एनडीटीवी द्वारा आयोजित एक विश्व सम्मेलन में अपने प्रतिद्वंद्वी लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का उपहास किया, जहां दर्शक मुख्य रूप से भारत की वैश्विक स्थिति में रुचि रखते थे और एक सामान्य भारतीय चुनावी रैली में भाग नहीं ले रहे थे। स्पष्ट रूप से, प्रधानमंत्री मोदी ने राजनेता के रूप में चूक की, जब उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 'असफल उत्पादश कहकर व्यक्तिगत उपहास किया, अव्यवस्था का सपना देखने का आरोप लगाया, अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल कांग्रेस को 'शरजीवीश कहा और कहा कि उस पर दिमागी नक्सलियों का प्रभुत्व है, जो भारत को बदनाम करने और नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने और भी बहुत कुछ कहा जिसे उनके पद की गरिमा और अवसर के आधार पर अनुचित कहा जायेगा। यह आश्चर्य की बात थी कि एक विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रतिद्वंद्वी नेता और राजनीतिक दल की आलोचना करते हुए सत्तारूढ़ भाजपा के नेता के रूप में बात की और ऐसा लगा कि वह भूल गए थे कि वह भारत की सरकार के चुने हुए प्रमुख हैं और उन दर्शकों के सामने बोल रहे थे जो उन मुद्दों में रुचि रखते थे जिनका दुनिया आज सामना कर रही है, न कि भारत के अन्दर की उस राजनीति में जो घटिया स्तर की मानी जाती है। किसी देश की प्रतिष्ठा के लिए खासकर विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री की भाषा मायने रखती है। किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को शिफल उत्पादश कहना उसके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ लक्षित एक प्रभावी राजनीतिक कटाक्ष हो सकता है, लेकिन यह नेतृत्व, नीति और लोकतांत्रिक जवाबदेही के बारे में बहस को उपहास के रूप में बहुत ही छोटा कर देता है। मोदी तर्क देते रहे हैं कि कांग्रेस वैश्विक दर्शकों के सामने विदेशों में भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाती रही है। फिर भी, वह स्वयं वैश्विक दर्शकों के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी की छवि खराब कर रहे थे, केवल इसलिए क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी राहुल गांधी उनकी सरकार के खिलाफ निर्मम आलोचना कर रहे हैं जो उनके लिए बहुत शर्मनाक है, जैसे कि चुनाव जीतने के लिए वोट की चोरी। लेकिन लोकतंत्र में किसी सरकार की आलोचना स्वतरू ही देश की आलोचना नहीं होती। प्रधानमंत्री के पास एक बड़ा सार्वजनिक मंच और एक सामान्य सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता की तुलना में अधिक संस्थागत अधिकार होता है। यह एक उचित उम्मीद पैदा करता है कि वह राजनीतिक विरोधियों को किसी विश्व सम्मेलन



में नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय सभा में ही दांव पर लगे मुद्दों के महत्व के प्रश्नों पर अनुपातिक तर्कों के साथ जवाब दें न कि किसी भी उल—जुलूल उपहास के शब्दों से। राहुल गांधी भी विशेष रूप से 2024 के बाद से आक्रामक रहे हैं और आरोप लगाते रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के साथ मिले हुए हैं और वोट चोरी से चुनाव जीत रहे हैं। 2 अक्टूबर 2026 से, राहुल गांधी ने सरकार के प्रति अपना विरोध तेज कर दिया है और सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने और 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने वाले एसआईआर को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री मोदी ने बदलती विश्व व्यवस्था को समर्पित एक विश्व सम्मेलन में राहुल गांधी और कांग्रेस का मजाक उड़ाते हुए उन्हें भारत का दुश्मन बताया है। प्रधानमंत्री द्वारा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी विपक्ष के नेता का उपहास भारत की राजनीतिक परिपक्वता को प्रदर्शित नहीं करता है, और इसलिए उन्होंने खुद को हास्यास्पद बना लिया। अंततः, एक प्रधानमंत्री का कद इस बात से नहीं मापा जाता है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी का कितने प्रभावी ढंग से उपहास करता है, बल्कि इससे मापा जाता है कि वह अपने पद की गरिमा के प्रति सचेत रहते हुए उस प्रतिद्वंद्वी के तर्कों और प्रश्नों का कितनी दृढ़ता और सटीकता से जवाब देता है। अपनी आलोचना में प्रधानमंत्री मोदी आम तौर पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड का बचाव करते हैं, कांग्रेस की विश्वसनीयता को चुनौती देते हैं, भाजपा को राष्ट्रीय विकास, स्थिरता और हिंदू सांस्कृतिक पहचान की पार्टी के रूप में पेश करते हैं। वह और उनकी पार्टी राहुल गांधी का उपहास भी उड़ाते रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी के सवालों का जवाब देने से बचते रहे हैं जबकि विपक्ष के नेता लगातार सवाल उठाते रहे हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी ने अपनी आलोचनाओं में अक्सर ऐसे मुद्दे उठाए हैं जो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के लिए काफी शर्मिंदगी का कारण बने हैं। वे आमतौर पर सरकार के कामकाज की समीक्षा करते हैं, आर्थिक लाभों के वितरण पर सवाल उठाते हैं, और भाजपा के सांप्रदायिक एजंडे, संवैधानिक सुरक्षा उपायों, सामाजिक असमानता और संस्थागत जवाबदेही जैसे मुद्दों को उजागर करते हैं। विपक्ष के नेता के रूप में, वे सरकार के कामकाज के रिकॉर्ड को चुनौती देते हैं और जवाबदेही की मांग करते हैं। राहुल गांधी, मोदी के शासन, सत्ता के केंद्रीकरण, आर्थिक असमानता और भाजपा के राजनीतिक दृष्टिकोण पर सवाल उठाते हैं। वे मोदी सरकार द्वारा संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन पर सवाल उठाते हैं और कहते हैं कि भारत के चुनाव आयोग सहित हर संवैधानिक संस्था को कमजोर किया गया है। देश की संपत्ति कुछ ही हाथों में सिमटती जा रही है, और लोग बढ़ती असमानता तथा बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। वे किसानों और मजदूरों से जुड़े मुद्दे भी उठाते हैं। वे अक्सर अपनी आलोचना को संवैधानिक बहुलवाद, अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सरकार तथा राष्ट्र के बीच के अंतर से जोड़ते हैं। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री मोदी अक्सर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने से बचते हैं। इसके बजाय, वे राहुल गांधी की आलोचना करते हैं, वंशवादी राजनीति और उनके नेतृत्व की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं, और कई बार उनका मजाक भी उड़ाते हैं। वे नेहरू—गांधी राजनीतिक परिवार और कांग्रेस पर देश को बर्बाद करने का आरोप लगाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए हर सवाल का जवाब देना चाहिए। केवल उनका मजाक उड़ाना ही अपने आप में एक बेतुकी बात है।

कौन राहुल कैसी जनता एक नवंबर को सब पता चल जाएगा!

शकील अख्तर

लग रहा है यह अंग्रेजों के टाइम में या किसी राजे महाराजे के राज में रैली हो रही है। ऐसा विरोध? जैसे कोई गैरकानूनी काम हो रहा हो! बीजेपी वाले सत्तर साल विपक्ष में रहे। खूब रैलियां करते रहे। जिस कांग्रेस सरकार के खिलाफ निकालते थे वह रैली स्थल पर पानी, सफाई, रोशनी, मेडिकल सबकी व्यवस्था करती थी। रैली करना लोकतांत्रिक अधिकार है। संविधान ने दिया है शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार। मौलिक अधिकारों में है यह। संविधान के अनुच्छेद 19 में साफ है कि सभा करना, इकट्ठे होना, भाषण देना मूल अधिकार हैं। इन्हें कोई सरकार तो छोड़िए, सुप्रीम कोर्ट या संसद भी रद्द नहीं कर सकते। यह संविधान के मूल ढांचे में आता है। केशवानंद भारती मामले में सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला है कि संसद इन्हें कानून बनाकर भी रद्द नहीं कर सकती। यह लोकतंत्र का मूल आधार है। संविधान का बेसिक स्ट्रक्चर। जिस पर पूरा संविधान खड़ा है। मगर मजाक देखिए! देश की सत्तारूढ़ पार्टी विपक्ष की एक नवंबर की रैली पर सवाल उठा रही है। रैली के नुकसान गिनाए जा रहे हैं। तारीख पर सवाल हो रहे हैं। बेसिक बात यह है कि रैली से ही प्राब्लम है। रैली क्यों हो रही है? देश में सब कुछ अच्छा चल रहा है। लोगों को खूब सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। व्यापारियों की खूब दुकानें चल रही हैं। सब सुख चौन में हैं। चीन अरुणाचल में घुस रहा है। आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत सिंह कुछ कह रहे थे कि चीन इतने अंदर घुस आया है। रोज झड़पें हो रही हैं। तो उन्हें चुप करवा दिया। बात खत्म हो गई। मणिपुर में साढ़े तीन साल हो गए। बाकायदा गृह युद्ध में झांक दिया है उसको। रोज लोग मर रहे हैं। लेकिन कहीं उसकी बात नहीं। बस सारी चिंता यह है कि एक नवंबर को विपक्ष की यह रैली क्यों हो रही है? यह डर बड़ा है। पहली बार है जब सरकार डरी हुई दिख रही है। नहीं तो अभी तक तो यह कहती थी कि जनता डरी हुई रहे यह अच्छी बात है। खुद प्रधानमंत्री मोदी के शब्द थे यह डर अच्छा है! समय का चक्र देखिए अब यह सरकार डर रही है। जनता से उसके शांतिपूर्ण प्रदर्शन से। और उस मुख्य मुद्दे से जो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को मिल गया है वोट चोरी। वोट चोरी अब जनता का मुद्दा बन गया है। राहुल एक साल से ज्यादा समय से इस सवाल को लगातार उठा रहे हैं। बताया तो उन्होंने पहले भी था। कहा था वाराणसी सहित सौ से ज्यादा सीटें मोदी वोट चोरी से जीते हैं। और बावजूद इसके 2024 के लोकसभा चुनाव में वे स्पष्ट बहुमत नहीं पा पाए। जनता की समझ में आने लगा था कि अगर चुनाव फ्री एंड फेयर हो जाते तो मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते थे। इसी बात को अब राहुल ने स्थापित कर दिया। वोट चोरी इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया और इसी के खिलाफ एक नवंबर की रामलीला मैदान की रैली ऐतिहासिक होने जा रही है। मोदी सरकार इसी से घबराई हुई है। सबसे पहले तो उन्होंने तारीख पर ही बात करना शुरू करवाई। भक्त और गोदी मीडिया अचानक चिल्लाने लगे कि एक नवबंर को ही क्यों? चलिए भक्तों और गोदी मीडिया को तो लोग अब एक ही समझते हैं और उनकी बातों का तो मजा लेते हैं, ध्यान देना बंद कर दिया है। मगर पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद जो वकील भी हैं वे भी आ गए। एक नवंबर पर सवाल उठाने। उन्हें कोई बताए कि हर तारीख के साथ कोई घटना या दुर्घटना जुड़ी हो सकती है। वे जब अदालत में कोई मामला पेश करते हैं तो देखते हैं कि इस तारीख को कर रहे हैं और इस तारीख को पहले क्या—क्या हुआ था? तारीखों की कहानी बनाना और उसमें जनता को उलझाए रखने में इन्हें महारत हासिल है। अंधविश्वास फैलाकर ही यह जनता को कूपमंडूक बनाए रखते हैं। पता नहीं क्या क्या चलाते थे। 13 तारीख और वाजपेयी। वाजपेयी इन्हीं के बीच के थे। मगर पढ़े—लिखे लोगों की संगत से डरते नहीं थे। इसीलिए जसवंत सिंह, ब्रजेश मिश्रा, यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी को अपने साथ लाए। और जब मूड में होते थे तो कहते थे कि कोई सोचे कि हमें उसने बनाया है तो गलत। हमें 13 तारीख ने बनाया है। और फिर हो हो हो! जोरदार हंसी। खासतौर से जब मुख और मुखौटा कहा था तब पहले तो बहुत आहत हुए थे। मगर बाद में अपने स्वभाव के अनुसार मजाक करने लगे थे कि बताओ किस तारीख में मुख थे किस में मुखौटा बने? बीजेपी में वाजपेयी का दौर बीत गया। अब तो खुद प्रधानमंत्री ऐसी अवैज्ञानिक बातों के जनक बन गए हैं। एक—दो नहीं कई हैं। बादलों में जहाज ले जाओ रडार नहीं पकड़ पाएगा से लेकर मैं नान बायलोजिकल हूं तक कई बातें खुद उनके श्रीमुख से निकली हैं। देश अंधविश्वास की जकड़ में ऐसे ही आता है। इसी को और मजबूत करने के लिए एक नवंबर की कहानी शुरू की गई है कि उस दिन सिखों पर हमला हुआ था। मतलब खुद ही उन हमलों के मामले को कमजोर कर रहे हैं कि एक नवंबर नहीं होता तो हिंसा नहीं होती। मजेदार बात यह है कि इनके पास खबर है कि विपक्ष के नेता तारीख बदलने की मांग कर रहे हैं। मगर राहुल अड़े हैं। मुख्य निशाना तो राहुल ही हैं। लेकिन खैर! एक भी नेता का नाम नहीं बता पाए जिसने तारीख बदलने के लिए कहा हो। लेकिन जब देखा कि यह मामला नहीं चला तो तारीख वहीं रहने दी मगर कहने लगे कि व्यापार को नुकसान हो जाएगा। कोई बड़ा उद्योग और व्यापारिक संगठन यह कहने को आगे नहीं आया तो एक कागजी संगठन से राहुल को पत्र लिखवा दिया कि एक नवंबर की रैली से व्यापार को नुकसान हो जाएगा। लेकिन व्यापार के जानकार लोग ही कहने लगे कि बाजार का तो सिद्धांत है फुट फाल। मतलब जितने ज्यादा लोग आएंगे उतनी ही बिक्री बढ़ेगी। लोगों का आना व्यापार का बढ़ना। इस समय पूरे देश के बाजारों में मंदी है। ग्राहक कहीं है ही नहीं। मगर बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि जब लाखों लोग रैली में शामिल होने दिल्ली आएंगे तो कुछ न कुछ खरीद कर लेकर जाएंगे। बाजार में तेजी आएगी। मगर इन सबसे भक्त, गोदी मीडिया, भाजपा, सरकार किसी को कई मतलब नहीं। उन्हें मतलब केवल राहुल गांधी से है। तारीख का सवाल भी राहुल से था। और एक नकली व्यापार संगठन से भी। राहुल को ही पत्र लिखवाया गया है। डर राहुल से ही है। प्रधानमंत्री मोदी की भाषा में यह कहा जा सकता है कि यह डर अच्छा है! क्योंकि अगर इसी डर की वजह से प्रधानमंत्री मोदी जनता की तरफ ध्यान देने लगें तो अच्छी बात है। वोट चोरी आज देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा है। अगर जनता का वोट ही चोरी हो गया तो उसके पास बचा क्या? यही एक चीज ऐसी है जिसकी वजह से उसकी पूछ होती है। अगर उसके वोट का ही मतलब नहीं रहा तो उसे कौन पूछेगा? कौन राहुल कि तरह कौन मतदाता पूछा जाएगा। राहुल को तो आज पहचान गए हैं। राहुल ने सारी बाजी उलट कर रख दी है। और अब जनता भी उसी की तैयारी में है। एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में पता चल जाएगा कि कौन वोटर? कौन जनता? सब वहां होंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

दिव्यता के दिव्यांग

जापान के आईची—नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची—नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं। आईची—नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल—टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि 'सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।' कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दिव्यांगों का जीवन सहज—सरल हो सके। हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं करा पाए। देश के हर छोटे—बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें। साथ ही सरकार को इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के बजाय ऐसे अवसर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका शेष जीवन सुखमय—सुविधामय हो सके।

राशिफल

मेष :— समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृषभ :— हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार—विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :— निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :— भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा—बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :— पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :— परिवार की छोटी—छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख—दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुला :— कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृश्चिक :— स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :— किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :— बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले—जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :— शासन—सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान—प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख—दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :— महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

सीएम योगी ने अखिलेश पर कसा तंज, कहा, आपको बांग्लादेशी घुसपैठियों से इतना प्यार क्यों

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा, अखिलेश जी, आपको बांग्लादेशी घुसपैठियों से इतना प्यार क्यों है। उन्होंने कहा कि भगवान राम और निषादराज की मित्रता चली तो राक्षसराज का अंत हुआ और यह मित्रता जब तक रहेगी, तब तक सपा और कांग्रेस के राज का स्वाहा होना तय है। मुख्यमंत्री कानपुर में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर बिल्हौर और बिठूर विधानसभा क्षेत्रों की 411 करोड़ रुपये से अधिक की 48 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण–शिलान्यास और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के हाल के बयान की ओर संकेत करते हुए कहा, इस समय देश में दो मियां हैं, एक छोटे मियां, एक बड़े मियां। सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, छोटे मियां को घुसपैठियों से बड़ा प्यार है। ये बांग्लादेशी घुसपैठियों को गले लगाते हैं और दलितों, वंचितों, गरीबों, किसानों, युवाओं का अपमान करते हैं। सपा प्रमुख से सवाल करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, मैं पूछना चाहता हूं अखिलेश जी, आपको बांग्लादेशी घुसपैठियों से इतना प्यार क्यों है? मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, बांग्लादेशी–पाकिस्तानी घुसपैठिए यहां गरीबों का हक छीनने का काम करते हैं। आप और आपकी पार्टी ने एसआईआर (मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण) में जबरन उनका नाम डलवाकर यहां के गरीबों का हक लूटने का कार्य किया है और लगातार इस प्रकार की शरारत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब घुसपैठिया आता है तो यही लोग उसका राशन



(कार्ड) बनवाते हैं और गरीब का राशन उस तक पहुंचाते हैं। 2017 से पहले इसलिए गरीब, किसान आत्महत्या करता था। योगी ने तंज कसते हुए कहा, अखिलेश जी, आपको एक बार सत्ता विरासत से मिल गई थी, लेकिन काठ की हांडी बार–बार नहीं चढ़ती। आपके कारनामों को देखकर जनता आपको विदा कर चुकी है। उन्होंने बिठूर की विरासत को नमन करते हुए कहा कि भगवान राम जब अयोध्या से निकले तो सबसे पहले मित्रता के लिए निषादराज आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान श्री राम के साथ ही महर्षि वाल्मीकि, तुलसीदास, निषादराज के मंदिरों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर में 56 फुट ऊंची भगवान राम और निषादराज की गले मिलती प्रतिमा स्थापित की गई है। उन्होंने कहा, लोगों ने कहा कि इसकी आवश्यकता आज क्या है, हमने कहा कि यह भगवान राम और निषादराज की मित्रता का प्रतीक है। उस समय यह मित्रता चली तो राक्षसराज का अंत हुआ और यह मित्रता जब तक रहेगी तो सपा और कांग्रेस के राज का स्वाहा होना तय है।

68,500 शिक्षक-भर्ती अभ्यर्थियों ने शिक्षा-मंत्री का आवास घेरा

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में सोमवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव कर सुंदरकांड का पाठ किया। उन्होंने सरकार और अधिकारियों की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान नियुक्ति की मांग को लेकर नारेबाजी और हंगामा हुआ। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है, आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है, आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस ने अभ्यर्थियों को मौके से हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिसकर्मी प्रदर्शनकारियों को उठाकर ले जाते दिखे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और अभद्रता करने के आरोप लगाए। पुलिस ने अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन करने आए तूफान सिंह ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है। जब राज्य पिछड़ा आयोग ने मान लिया राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने मान लिया और अब सरकार में बैठे अधिकारी मंत्री भी स्वीकार कर रहे हैं कि घोटाला हुआ है तो रोजगार क्यों नहीं मिलता। प्रदर्शन कर रहे आशुतोष वर्मा ने कहा कि हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है। आशुतोष ने कहा कि हमारी मांग है कि योग के आदेशों का पालन किया जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी, तभी हमने फॉर्म भरा था। इसके बाद से आज तक नौकरी की उम्मीद में 8 साल से सिर्फ चप्पल घिस रहे हैं। यहां से उठाकर हमको इको गार्डन में बिठा दिया जाएगा दिन वही गुजर जाएगा। त्योहार के समय प्रदर्शन करना बहुत दुख की बात है मगर मजबूरी में करना पड़ रहा है।

पुलिस पेंशनर्स की खेलकूद प्रतियोगिता, रस्साकसी में पूर्व डीजीपी और एडीजी के बीच जोरदार मुकाबला

संवाददाता

लखनऊ। 35वीं वाहिनी पीएसी महानगर स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद क्रीड़ा संकुल स्टेडियम में सोमवार (26 अक्टूबर 2026) को उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर्स की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता–2026 का शानदार आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक एथलेटिक्स क्लस्टर (एथलेटिक्स एवं साइकलिंग) प्रतियोगिता के तहत आयोजित इस खेलकूद का शुभारंभ यूपी पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान के अध्यक्ष एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अरविंद कुमार जैन ने किया। बढ़ती उम्र को मात देते हुए सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में पूरे दमखम और अपार उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान 3 किलोमीटर की वाकचाल (पुरुष) में गजब का रोमांच देखने को मिला। 70 से 80 वर्ष के आयु वर्ग में महिला वर्ग से मिथलेश



सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी को प्रेरित किया। इसी आयु वर्ग के पुरुष वर्ग में अनिल कुमार प्रथम, रामली लाल निरंजन द्वितीय तथा ओपी तिवारी तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, 60 से 70 वर्ष के आयु वर्ग में धनेश प्रसाद ने बाजी मारते हुए पहला, शिवदीन सिंह ने दूसरा और सुरेंद्र चौबे ने तीसरा स्थान हासिल किया। गोला फेंक में अनिल कुमार सिंह और चक्का फेंक में राम शब्द यादव ने बाजी मारी। म्यूजिकल चेयर रेस (कुर्सी दौड़) में सुरेंद्र चौबे पहले, राकेश राय दूसरे और मिथलेश सिंह तीसरे स्थान पर रहीं। खेल का सबसे बड़ा आकर्षण रस्साकसी का मुकाबला रहा। इसमें पूर्व अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) रामेश्वर दयाल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन की टीम दूसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के सफल समापन पर विजेताओं को संस्थान के अध्यक्ष अरविंद कुमार जैन, उपाध्यक्ष व पूर्व आईजी अनिल कुमार मिश्रा तथा महासचिव व पूर्व आईजी आरके चतुर्वेदी द्वारा मेडल और पुरस्कार बांटे गए। इस पूरे आयोजन का सफल संचालन 35वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक अमित कुमार द्वितीय के निर्देशन में सहायक सेनानायक उदयवीर सिंह और उनकी टीम द्वारा बेहद सुंदर ढंग से किया गया।

श्री पब्लिक बाल रामलीला में धनुष यज्ञ और श्रीराम विवाह का भव्य मंचन, परशुराम-लक्ष्मण संवाद ने बांधा समां

संवाददाता

लखनऊ। श्री पब्लिक बाल रामलीला समिति की ओर से चौक स्थित रामलीला ग्राउंड, लोहिया पार्क में आयोजित 90वें वार्षिक श्री रामलीला महोत्सव में धनुष यज्ञ, रावण–बाणासुर संवाद, परशुराम–लक्ष्मण संवाद तथा प्रभु श्रीराम और माता सीता के विवाह की भव्य लीलाओं का मंचन किया गया। धार्मिक प्रसंगों के सजीव मंचन ने दर्शकों को भक्तिभाव से सराबोर कर दिया। राम विवाह के दौरान पूरा पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। धनुष यज्ञ प्रसंग में मिथिला नरेश जनक के दरबार में देश–विदेश से अनेक राजा भगवान शिव के दिव्य धनुष को उठाने और प्रत्यंचा चढ़ाने के उद्देश्य से पहुंचे। एक–एक कर सभी राजाओं ने धनुष उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी उसे हिला तक नहीं सका। राजाओं की असफलता से राजा जनक चिंतित हो उठे। इसके बाद महर्षि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर प्रभु श्रीराम ने सहज भाव से धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाई, जिससे धनुष टूट गया। धनुष टूटते ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने हर्ष व्यक्त किया। इससे पहले रावण–बाणासुर संवाद का प्रभावशाली मंचन किया गया। रावण के रूप में अंशुल वर्मा और बाणासुर के रूप में रोहन त्रिपाठी ने अपने अभिनय से प्रसंग को जीवंत बनाया। वहीं, परशुराम–लक्ष्मण संवाद के दौरान दोनों पात्रों के बीच तीखे वाक–संवाद और ओजपूर्ण अभिनय ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस दृश्य पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। विशेष आकर्षण यह रहा कि परशुराम और लक्ष्मण की भूमिका में पिता–पुत्र ने अपने अभिनय के माध्यम से मंच पर शानदार सामंजस्य प्रस्तुत किया। धनुष भंग के बाद आयोजित श्रीराम विवाह की लीला ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। प्रभु श्रीराम और माता सीता के जयमाल प्रसंग के दौरान श्रद्धालुओं ने जय–जय श्रीराम के जयकारे लगाए। विवाह के मनोहारी दृश्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लीला में जनक की भूमिका दीपक त्रिपाठी, महर्षि विश्वामित्र की भूमिका कमलाकांत शुक्ला, रावण की भूमिका अक्षय वर्मा, बाणासुर की भूमिका रोहन त्रिपाठी तथा परशुराम की भूमिका अनुज मिश्रा ने निभाई। राम, लक्ष्मण और सीता की भूमिकाओं में कलाकारों ने रामायण के प्रसंगों को मंच पर साकार किया। श्री पब्लिक बाल रामलीला समिति की ओर से आयोजित यह महोत्सव धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और रामायण के आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने का माध्यम बना हुआ है। धनुष यज्ञ से लेकर श्रीराम विवाह तक की लीलाओं ने श्रद्धालुओं को मर्यादा, धर्म और भक्ति का संदेश दिया।

रामायण से मिलती है परिवार और समाज में रहने की सीख : ब्रजेश पाठक

संवाददाता

लखनऊ। राजधनी में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन माता–पिता का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय संस्कारों में माता–पिता का दर्जा भगवान के समान है। कांग्रेस ने इन संस्कारों को ठेस पहुंचाई है। उत्तर प्रदेश की जनता इसका जवाब देगी। पाठक सोमवार को इंजीनियरिंग चौराहा स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में महर्षि वाल्मीकि प्राकट्योत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में किसी के दुश्मन के माता–पिता भी सामने आ जाएं तो लोग झुककर प्रणाम करते हैं। भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश के 25 करोड़ लोगों का आशीर्वाद लेकर ऐसी अशोभनीय टिप्पणियों का राजनीतिक जवाब देंगे। इसका खामियाजा इंडी गठबंधन को भुगतना पड़ेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 1857 की क्रांति से लेकर आजादी की लड़ाई और 1975 में कांग्रेस के खिलाफ संघर्ष तक उत्तर प्रदेश ने हर बड़े संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर कांग्रेस की टिप्पणी का विरोध करेंगे। पाठक ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के जरिए पूरी दुनिया को भगवान राम के चरित्र, मर्यादा, संस्कार और मानवता का संदेश दिया। रामायण सिर्फ भगवान राम के जीवन का चित्रण नहीं है, बल्कि परिवार और समाज में रहने की सीख भी देती है। उन्होंने कहा कि गरीबी में जन्मे एक बालक ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना कर पूरी दुनिया को प्रभु राम के चरित्र से परिचित कराया। उन्होंने वाल्मीकि और स्वच्छकार समाज के योगदान की सराहना की। कहा कि समाज के लोग पूरे शहर को स्वच्छ रखने का काम करते हैं। प्रदेश सरकार वाल्मीकि समाज के साथ पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी है। भाजपा प्रदेश मंत्री राहुल वाल्मीकि के मांग पत्र को संबंधित विभाग तक पहुंचाकर हरसंभव कार्रवाई कराई जाएगी। पाठक ने जीवनभर समाज की सेवा करने का भरोसा भी दिया। भाजपा प्रदेश मंत्री राहुल वाल्मीकि ने कहा कि सरकार वाल्मीकि और स्वच्छकार समाज के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। योग्य लोगों को आयुष्मान कार्ड से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव मुकेश मिश्रा ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में राजीव मिश्रा, अभिषेक गुप्ता, पृथ्वीराज चौहान और संतोष वाल्मीकि समेत कई लोग मौजूद रहे।

संजय सिंह ने लगाया मतदाता सूची में धांधली का आरोप मुख्य निर्वाचन अधिकारी के जवाब पर जताई नाराजगी

संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने प्रदेश की वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, काटने और मतदाताओं के विवरण में गलतियां होने का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के एक जवाब पर कड़ी आपत्ति जताई। संजय सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार मतदाता सूची में गड़बड़ियों का मुद्दा उठा रही है, लेकिन चुनाव आयोग की ओर से संतोषजनक जवाब देने के बजाय विवादित प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल प्रांत अध्यक्ष राजेश यादव ने मतदाता सूची में दर्ज कुछ नामों और उनके विवरण में कथित गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठाए थे। इनमें 'राम ने यादव को मारा' जैसी एंट्री और मतदाताओं के नामों के साथ पिता के नाम में गलतियां शामिल थीं। उन्होंने 'मोहम्मद इकबाल बेग' नाम को गलत तरीके से 'मोहम्मद इकबाल भीख मांगते हैं' लिखे जाने का भी आरोप लगाया। संजय सिंह ने कहा कि इस तरह की गलतियां मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब मतदाता सूची में इस तरह के नाम दर्ज हो रहे हैं, तो उनकी जांच और सुधार की जिम्मेदारी किसकी है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि राजेश यादव के सवालों के जवाब में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा की ओर से सोशल मीडिया पर दी गई प्रतिक्रिया आपत्तिजनक थी। उनके मुताबिक, जवाब में कहा गया कि कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जातिवादी नहीं है और गलती के दौरान जातिगत भेदभाव नहीं हुआ। संजय सिंह ने इस जवाब में अल्पसंख्यक समुदाय का जिक्र किए जाने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के अधिकारी को ऐसे सवालों का जवाब तथ्यों और तर्कों के आधार पर देना चाहिए। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि इस तरह की टिप्पणी संवैधानिक पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आप सांसद ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में करीब 13 लाख नाम जोड़े गए हैं और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने पीलीभीत समेत कई विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में गड़बड़ी होने का दावा किया। संजय सिंह ने कहा कि कुछ स्थानों पर एक ही ईपीआईसी नंबर के साथ नाम बदलने और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीलीभीत, बिस्वा, तरबगंज और जहानाबाद समेत कई क्षेत्रों में मतदाता सूची को लेकर सवाल उठे हैं। संजय सिंह ने चुनाव आयोग से इन मामलों का स्पष्ट जवाब देने और सूची में दर्ज गलतियों की जांच कराने की मांग की। हालांकि, नाम जोड़ने और काटने से संबंधित इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संजय सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा परिस्थितियों में आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ियों की शिकायतों पर कार्रवाई होनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं से चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। संजय सिंह ने मांग की कि सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और मतदाता सूची में मौजूद गलतियों को तत्काल ठीक किया जाए। संजय सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा लगातार उठाती रहेगी। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के जवाब को अनुचित बताते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही कहा कि चुनाव आयोग को मतदाताओं के सवालों का जवाब देने के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से न काटा जाए और मतदाता सूची में किसी तरह की अनियमितता न रहे।

शॉपर्स स्टॉप ने लखनऊ में पेश किया दिवाली फैशन कलेक्शन

संवाददाता

लखनऊ। भारत के प्रीमियम फैशन, ब्यूटी और गिफ्टिंग डेस्टिनेशन शॉपर्स स्टॉप ने लखनऊ के फीनिक्स पलासियो में एक विशेष फैशन शोकेस के माध्यम से दिवाली के उत्सवी रंगों को जीवंत किया। इस शोकेस में दिवाली के विभिन्न अवसरों के लिए तैयार किए गए आकर्षक फेस्टिव कलेक्शन को प्रस्तुत किया गया, जिसमें आधुनिक फैशन और पारंपरिक परिधानों का खूबसूरत मेल देखने को मिला।दिवाली के विभिन्न रंगों और उत्सव के अलग–अलग पलों से प्रेरित इस कलेक्शन में चार खास फैशन थीम प्रस्तुत की गईं, जिनमें त्योहार के अलग–अलग अंदाज को दर्शाया गया। दिवाली होमकमिंग थीम के तहत कैजुअल वेस्टर्न वियर प्रस्तुत किया गया, जो त्योहार के दौरान घर लौटने की खुशी और उत्साह को दर्शाता है। वहीं, दिवाली गेम नाइट लुकश में पार्टीवियर और मॉडर्न वेस्टर्न स्टाइल्स को रनवे पर प्रस्तुत किया गया, जो दोस्तों और परिवार के साथ उत्सव की शामों के ग्लैमर और मस्ती को दर्शाते हैं। फैमिली गेट–टुगेदर लुक में फ्यूजन और इंडो–वेस्टर्न परिधानों को प्रस्तुत किया गया, जिनमें मॉडर्न डिजाइनों के साथ पारंपरिक उत्सवी अंदाज का समावेश है। वहीं, फेस्टिव सेलिब्रेशन एडिटश में इंडियन एथनिक वियर की पारंपरिक खूबसूरती को प्रदर्शित किया गया, जो भव्य उत्सवों और विशेष अवसरों के लिए उपयुक्त हैं। इन चारों फैशन थीम ने दिवाली के लिए तैयार होने के विभिन्न अंदाजों को दर्शाया, जिनमें घर वापसी से लेकर पारिवारिक मेल–मिलाप और भव्य उत्सवों तक के लिए परिधानों के विकल्प शामिल हैं।यह कलेक्शन प्रीमियम शॉपिंग एक्सपीरियंस प्रदान करने के लिए शॉपर्स स्टॉप की विशेष क्यूरेशन रणनीति को दर्शाता है। इसमें फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल से जुड़ी विभिन्न कैटेगरी को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। मॉडर्न वेस्टर्न वियर और इंडियन एथनिक परिधानों से लेकर एक्सेसरीज, प्रीमियम वॉचेज, हैंडबैग्स, फ्रेगरेंस और ब्यूटी प्रोडक्ट्स तक, ग्राहक अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार दिवाली के लिए खास लुक तैयार कर सकते हैं। शॉपर्स स्टॉप के कस्टमर केयर एसोसिएट एवं सीईओ, श्री कवींद्र मिश्रा ने कहा, दिवाली खुशियों, अपनों को गिफ्ट देने और नई शुरुआत का एक महत्वपूर्ण अवसर है। शॉपर्स स्टॉप में हमारा मानना है कि सही चुनाव इन खास पलों को और भी यादगार बना सकते हैं। गिफ्ट्स ऑफ लव पहल के माध्यम से हम ग्राहकों की विविध जरूरतों को ध्यान में रखते हुए चुनिंदा प्रोडक्ट्स और लाइफस्टाइल से जुड़े विकल्पों का कलेक्शन प्रस्तुत करते हैं। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को उनकी पसंद और अवसर के अनुरूप गिफ्ट चुनने की सुविधा प्रदान करना है, साथ ही उन्हें प्रीमियम और सहज शॉपिंग एक्सपीरियंस उपलब्ध कराना है। एक ब्रांड के रूप में हम शॉपर्स स्टॉप को फेस्टिव शॉपिंग के लिए ग्राहकों का पसंदीदा डेस्टिनेशन बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां क्वालिटी, चॉइस और बेहतर कस्टमर एक्सपीरियंस का संगम हो।शॉपर्स स्टॉप का यह फेस्टिव कलेक्शन देशभर के शॉपर्स स्टॉप स्टोर्स और ऑनलाइन उपलब्ध है। ग्राहक 500 से अधिक प्रीमियम ब्रांड्स के अपैरल, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, फ्रेगरेंस, वॉचेज, हैंडबैग्स, सनग्लासेस, फुटवियर और एक्सेसरीज की चुनिंदा रेंज में से अपनी पसंद के प्रोडक्ट्स चुन सकते हैं।पर्सनल शॉपर सर्विसेज, विशेष फर्स्ट सिटिजन क्लब प्रिविलेज और प्रीमियम ब्रांड्स की विस्तृत रेंज के साथ शॉपर्स स्टॉप फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल को एक विशेष शॉपिंग एक्सपीरियंस के रूप में प्रस्तुत करना जारी रखे हुए है।

अखिलेश ने भाजपा के 4 नेताओं को सपा जॉइन कराई, 5 लाभार्थियों को घर की चाबी दी

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी में आज बड़ी जॉइनिंग हुई है। भाजपा छोड़कर 4 बड़े चेहरों ने सपा जॉइन की। इनमें बदायूं दातागंज से भाजपा के 2 बार के पूर्व विधायक सिनोद शाक्य, बिसौली से पूर्व विधायक कुशाग्र सागर शामिल हैं। भाजपा नेता चंद्र कुमार मिश्र और राम बहादुर पासी ने भी अखिलेश के साथ आ गए। पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी बसपा शासन में मायावती के करीबी माने जाते थे। इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा हम तो राजनीति में आए ही सरकार बनाने और जनता की सेवा करने के लिए हैं। मैं कोई साधु–संत थोड़ी हूं, जो जंगलों या मठों में जाऊंगा, हमें तो सत्ता और मुख्यमंत्री की कुर्सी ही चाहिए ताकि हम प्रदेश का विकास कर सकें। ये योगी आदित्यनाथ के बयान का पलटवार था, जिसमें उन्होंने कहा था साधु–संतों का लक्ष्य सत्ता या कुर्सी नहीं होता, बल्कि उनका लक्ष्य लोक कल्याण और सेवा होता है। सत्ता और कुर्सी की लालसा उन लोगों को होती है जिन्हें केवल परिवारवाद और सत्ता का मोह है। इस मौके पर 5 गरीब महिलाओं को नए घरों की चाभी सौंपी गई। अखिलेश यादव ने गरीबों के लिए 5 लाख रुपए में मकान बनवाकर देने वाले मंतोष यादव को सम्मानित



किया। अखिलेश यादव ने सपा में नेताओं के शामिल होने पर कहा इन जॉइनिंग से पूरे प्रदेश में बड़ा संदेश गया है। इससे पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की लड़ाई और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि नेताओं के आने से समाजवादी पार्टी और पीडीए परिवार की जीत और बड़ी होगी। दारा सिंह प्रजापति का जिक्र करते हुए बोले कि जिनके साथ दारा होंगे, वही अखाड़ा जीतेगा। पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी की तारीफ करते हुए अखिलेश ने कहा कि नौकरी के दौरान भी उनकी अपनी पहचान रही है और जिसके नाम में राम जुड़ा हो, उसके सब काम बन जाएंगे। उन्होंने वादा किया कि पार्टी में आए सभी साथियों को पूरा राजनीतिक सम्मान दिया जाएगा। राज्य में सपा की सरकार बनने पर आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म होगी। संविदा सफाई कर्मियों के लिए खास योजनाएं आएंगी। वाल्मीकि समाज के बेघर लोगों को मकान दिए जाएंगे। साथ ही, बड़े पैमाने पर साइकिलें बांटी जाएंगी और वकीलों के लिए चौंबर बनवाए जाएंगे। भाजपा अभी भी वोटर लिस्ट में हेराफेरी, धांधली और वोट डकैती से बाज नहीं आ रही है। सुनीता पत्नी राजेश नाम की प्रदेश भर में 2000 से अधिक एंट्री मिली हैं। विपक्षी दलों की एकजुट आवाज के बाद ही चुनाव आयोग को मजबूरी में कार्रवाई करनी पड़ी है। अरुणाचल प्रदेश में चीन की घुसपैठ का मुद्दा 10 साल से सत्ता में बैठी सरकार को सिर्फ चुनाव के वक्त ही याद आता है। लखनऊ में मर्डर और गोरखपुर जेल में संदिग्ध मौतें सरकार की नाकामी दर्शाती हैं। विवादित होर्डिंग्स पर उन्होंने पूछा कि इन्हें कौन लगवा रहा है और इसके पीछे पैसा किसका लगा है? सपा को गठबंधन का अच्छा तजुर्बा है। रावण वाले बयान पर सफाई दी कि यह शब्द 10 साल से अन्याय करने वालों के लिए था।

सऊदी में देवरिया से उमरा करने गए तीर्थयात्री फंसे

देवरिया के लार का एक परिवार वतन वापसी के लिए परेशान, सऊदी में उमरा करने गए भारतीय तीर्थयात्री फंसे: फ्लाइट्स कैंसिल होने से बढ़ी मुश्किलें, लार, देवरिया (यूपी)का परिवार वतन वापसी के लिए परेशान

स्वाभिमान जागरण संवाददाता
देवरिया/लार क्षेत्रीय सुरक्षा तनाव और हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर बढ़ते हमलों के बाद, विमानन कंपनियों ने अपनी उड़ानें पूरी तरह से निलंबित कर दी हैं। इस कारण मक्का, मदीना और जेद्दा में करीब 4,000 भारतीय उमरा जायरीन (तीर्थयात्री) फंस गए हैं। एयर इंडिया (Air India) ने जेद्दा की उड़ानों को 31 अक्टूबर 2026 तक के लिए टाल दिया है, जिससे भारत वापस आने वाले यात्रियों की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।
फ्लाइट AI 2256 रद्द, उत्तर प्रदेश के लार, देवरिया का एक ही परिवार मक्का में फंसा
सऊदी अरब के जेद्दा से नई दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट AI 2256 के अचानक रद्द होने से सैकड़ों यात्री एयरपोर्ट और आसपास के होटलों में फंस गए हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के लार थाना अंतर्गत नई बस्ती, इन्दिरा नगर निवासी एक ही परिवार के चार सदस्य भी शामिल हैं
रेयाजुद्दीन अंसारी (Reyazuddin Ansari) उम्र (26)
नग्मा खातून (Nagma Khatoon) उम्र (26)
नायजा लारी (Nyza Lari) उम्र (9 माह)
हुस्नआरा खातून (Hushanara Khatoon) (बुजुर्ग माता जी) उम्र (56)
यह पूरा परिवार उमरा की पाक यात्रा पूरी करने के बाद वतन लौटने का इंतजार कर रहा था। फ्लाइट्स सस्पेंड होने की वजह से ये सभी जेद्दा में रुकने को मजबूर हैं। देवरिया (यूपी) में मौजूद उनके परिजन अपने परिवार की सुरक्षा और स्वास्थ्य (विशेषकर बुजुर्ग माता जी हुस्नआरा) को लेकर बेहद चिंतित हैं और सरकार से रेस्क्यू की मांग
वहां फंसे यात्रियों के परिवारों का



लगातार सरकार से संपर्क साधने की कोशिश कर रहे हैं।
पैसे, भोजन और दवाओं की किल्लत; कहना है कि 2 से 3 हफ्तों से उड़ानों की अनिश्चितता के कारण लोगों के पास जमा पूंजी खत्म हो रही है। लोकल ट्रैवल एजेंटों ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं, जिससे यात्रियों को रहने, भोजन और जरूरी दवाओं की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।
विदेश मंत्रालय (MEA) और एयर इंडिया का पक्ष
एयर इंडिया ने आधिकारिक बयान जारी कर प्रभावित यात्रियों को मुफ्त री-बुकिंग (Fares EÛtension) या पूरा रिफंड (Full Refund) देने की बात कही है। हालांकि, यात्री रिफंड के बजाय सुरक्षित वतन वापसी की गुहार लगा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मक्का और जेद्दा में विशेष कंट्रोल रूम सक्रिय हैं और अब तक लगभग 3,000 भारतीयों को वैकल्पिक माध्यमों से लाया जा चुका है, लेकिन बाकी बचे यात्रियों के लिए अभी भी आपातकालीन कदम उठाने की जरूरत है।

बढ़या हरदो की सड़क पर खून से लिखी चीख, कब टूटेगा खामोशी का ताला?

स्वाभिमान जागरण देवरिया
मईल।दशहरा मेले की खुशियों के बीच जब पूरा जिला उत्सव में डूबा था, उसी आधी रात को राम-जानकी मार्ग पर बढ़या हरदो के पास दो घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए। मईल थाना क्षेत्र के करजहाँ के वकील यादव और इटहुरा हजाम के विनय यादव, जो मेला देखकर हंसते-खेलते घर लौट रहे थे, सड़क किनारे लहूलुहान मिले। किसी ने बेरहमी से धारदार हथियार से उनके सपनों को गोद डाला था। छह दिन बीत गए। छह दिन से दो माताओं की आंखें दरवाजे पर टिकी हैं कि शायद इंसाफ आएगा। पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल पर पहुंचकर भरोसा दिलाया था, छह टीमें दिन-रात जांच में जुटी हैं, हर संदिग्ध से पूछताछ हो रही है, लेकिन हत्यारों का साया अब भी अंधेरे में है। यही सन्नाटा सबसे ज्यादा डराता है। क्षेत्र में दहशत है, और हर जुबान पर एक ही सवाल है – क्या यह दोहरा हत्याकांड भी उन पुरानी फाइलों में दफन हो जाएगा, जिन पर वर्षों से धूल जमी है? लोग आज भी याद करते हैं – लार के यूसुफ रोड के मुहम्मद रहमान को, जिसकी जून 2022 में गला काटकर हत्या



कर दी गई। कोइरी टोला की 62 वर्षीय चंद्रावती देवी को, जो अपने ही घर में दिनदहाड़े मार दी गई और घर से जेवरात-नकदी लूट ली गई। और बरहज के बेलासपुर के नीरज तिवारी को, जो प्रेमिका के बुलावे पर निकला और फिर कभी नहीं लौटा, उसकी बुजुर्ग मां आज भी हर दर पर इंसाफ की भीख मांग रही है। ये सिर्फ तीन नाम नहीं, तीन अधूरे इंसाफ की कहानियां हैं। और अब बढ़या हरदो के वकील और विनय की कहानी भी उसी मोड़ पर खड़ी है। स्थानीय लोगों की बस एक ही अपील है – इस बार फाइल धूल न खाए। इस बार दो मासूमों की चीख अनसुनी न रहे। पुलिस की जांच अपने अंजाम तक पहुंचे, ताकि डर का नहीं, न्याय का माहौल बने।

दिवंगत खिलाड़ियों के परिजनों को अखिलेश यादव ने भेजी एक-एक लाख की मदद

लार में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर सपा नेताओं ने सौंपे सहायता राशि के चेक, परिवारों को हरसंभव सहयोग का भरोसा

देवरिया । सड़क हादसे में जान गंवाने वाले देवरिया के चार दिवंगत खिलाड़ियों के परिजनों को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता भेजी है। सोमवार को लार बाईपास स्थित रेशमा मैरेज हॉल में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सपा नेताओं ने शोकाकुल परिवारों को सहायता राशि के चेक सौंपे। इस दौरान दिवंगत खिलाड़ियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। पूर्व विधायक मनबोध प्रसाद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सांसद रमाशंकर राजभर, पूर्व विधायक मनबोध प्रसाद, सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव, पूर्व विधायक स्वामीनाथ यादव और ओपी यादव ने चारों खिलाड़ियों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये के चेक प्रदान किए।



दुख की घड़ी में परिवारों के साथ खड़ी है सपा
श्रद्धांजलि सभा में सपा नेताओं ने कहा कि चार युवा खिलाड़ियों की असमय मौत से उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति हुई है। इस दुख की घड़ी में समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। नेताओं ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि पार्टी की ओर से उन्हें हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन मंजूर हसन ने किया। इस अवसर पर रामप्रकाश यादव, उमेश यादव, महफूज लारी, राजेश यादव, रवि यादव, भोला लारी, टुन्नू वर्मा, राजन सिंह, विक्रम सिंह, संतलाल राजभर, श्रीनिवास यादव, पवन प्रधान, गोरख यादव और मुन्ना तिवारी सहित बड़ी संख्या में सपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कृष्णा पासवान राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन ने किया सम्मानित

सर्किट हॉउस खागा में राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक आनंद मिश्र को दिया 'शिक्षा रत्न सम्मान'

स्वाभिमान जागरण संवाददाता
फतेहपुर खागा – कोतवाली खागा अंतर्गत सोमवार को ऐरायां ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय मलूकपुर के शिक्षक और वर्ष 2025 के राज्य अध्यापक पुरस्कार विजेता आनंद कुमार मिश्र को प्रतिष्ठित शिक्षा रत्न सम्मानश से सम्मानित किया गया। बेसिक शिक्षा के उन्नयन, अभिनव प्रयोगों, उत्कृष्ट समाजसेवा तथा वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के अप्रतिम योगदान के लिए कृष्णा पासवान राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन द्वारा उन्हें. भाजपा का पटका व फूल माला पहनाकर साथ ही प्रतीक चिन्ह भेंटकर यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद शिक्षक आनंद कुमार मिश्र ने कहा कि मातृशक्ति के हाथों यह सम्मान पाकर अभिभूत हूं। 243 विधानसभा खागा क्षेत्र की विधायक व उत्तर प्रदेश शासन में राज्य मंत्री के हाथो यह सम्मान मिलना मेरे लिए गौरव और ऐतिहासिक महत्व का क्षण है। कृष्णा पासवान राज्य मंत्री ने कहा कि आनंद मिश्र ने अपने अभिनव शिक्षण और निस्वार्थ समाजसेवा से न केवल नगर बल्कि पूरे जनपद का मान बढ़ाया है। उनका समर्पण समाज के लिए मिसाल है। वहीं विमलेश पाण्डेय जिला मंत्री भाजपा फतेहपुर ने कहा कि नगर के गौरवशाली शिक्षक को सम्मानित



करना पूरे विधानसभा परिवार के लिए गर्व का क्षण है। शिक्षा के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का उनका प्रयास सराहनीय है। इस अवसर पर धर्मेंद्र सिंह परिहार, रवी सिंह चौहान, के. के. मिश्रा, हिमांशु त्रिपाठी, राहुल गुप्ता सहित भाजपा के जिम्मेदार पदाधिकारी मौजूद रहे।
शिक्षा को दी नई पहचान
आनंद कुमार मिश्र का शैक्षणिक सफर नवाचारों और उपलब्धियों से भरा रहा है। बेसिक शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान पर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा उन्हें श्राज्य शिक्षक पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्य सचिव भी उनके कार्यों की प्रशंसा कर चुके हैं। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा और बच्चों के ड्रॉप आउट पर शोध किया है, जो एनसीईआरटी और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। बाल सुलभ शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने श्मुस्कानालयश, श्माई प्लांट माई लाइफश् तथा श्री एंड रिसीवश् जैसे नवाचार शुरू किए। वे एक प्रखर लेखक भी हैं, उनकी पुस्तक श्बोलता बचपनश का विमोचन राज्यपाल द्वारा किया जा चुका है। वे अब तक आठ किताबें लिख चुके हैं।

उपहार पाकर किसान हुए खुश : अमित वर्मा

स्वाभिमान जागरण संवाददाता
गोसाईगंज
राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज सराई गोदौली गाँव में आयोजित साधारथ सभा का आयोजन सचिव अमित वर्मा के द्वारा किया गया। जिसमें डेरी से जुड़े समस्त किसान भाइयों को उपहार वितरित किया गया उपहार में वाशिंग मशीन पंखा मिक्सी प्रेस एवं बर्तन वितरित किए गए मुख्य अतिथि के रूप में सुपरवाइजर सर्वेश मिश्रा, अर्पित मिश्रा एवं अंजना द्विवेदी उपस्थिति रही उपहार पाकर किसानों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए अमित वर्मा के इस कार्यक्रम को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में बहुत से लोग उपस्थित रहे अमित वर्मा बताते हैं कि हम लोग किसानों के लिए हमेशा उनके साथ खड़े हैं। यदि किसी किसान को हमारे लायक कोई काम या जानकारी प्राप्त करना होता है तो उसको हम जरूर पूरा करते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान समस्त किसानों के चेहरों पे मुस्कान देखने को मिली।

कलम के सिपाही को नमन, गणेश शंकर विद्यार्थी जयंती पर पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

हथगाम में माल्यार्पण, वर्मा चौराहे पर गोष्ठी – विद्यार्थी के जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प

स्वाभिमान जागरण संवाददाता
फतेहपुर खागा – ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमरजीत सिंह ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी ने पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं, मिशन बनाया। कानपुर में हिंदू-मुस्लिम दंगा शांत कराने के प्रयास में उन्होंने अपनी कुर्बानी दे दी। उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। जिलाध्यक्ष केके तिवारी ने विद्यार्थी जी का जीवन परिचय विस्तार से रखा। उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर 1890 को प्रयागराज के अतरसुइया में जन्मे विद्यार्थी जी ने 1913 में कानपुर से साप्ताहिक श्प्रतापश का प्रकाशन शुरू किया। श्प्रतापश अखबार नहीं, अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बिगुल था। उन्होंने तत्वावधान में अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती पर वर्मा चौराहा स्थित दैनिक अमर चेतना के कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इससे पूर्व वरिष्ठ पत्रकार व कवि शिव शरण बंधू जी के नेतृत्व में सुबह हथगाम में एसोसिएशन के सदस्यों ने विद्यार्थी जी की प्रतिमा / चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। वर्मा चौराहा में आयोजित गोष्ठी में दैनिक अमर चेतना के संपादक व ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर किसानों, मजदूरों और शोषितों की आवाज को बुलंद किया। 1929 में वे हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष भी रहे। 25 मार्च 1931 को दंगा शांत कराते हुए उन्होंने प्राण न्यौछावर कर दिए। गोष्ठी में दैनिक कैसी दुनिया के संपादक जितेन्द्र त्रिवेदी ने कहा गया कि आज की पत्रकारिता में विद्यार्थी जी के सत्य, निर्भीकता और निष्पक्षता के मूल्यों को अपनाने की जरूरत है। इस मौके पर मनोज मिश्रा, सुधीर कुमार, सत्यम सिंह, शेखर अवस्थी, संतोष, सौरभ, अजय सहित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तमाम सदस्य मौजूद रहे।

आगरा में दबा विवाद, गाजियाबाद में मारपीट तक पहुंचा बवाल! पुराने विवाद की भी होने लगी चर्चा

संवाददाता
आगरा। खेल के मैदान पर दमखम दिखाने वाले खिलाड़ियों के व्यवहार पर अब सवाल उठ रहे हैं। गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश पावरलिफ्टिंग



प्रतियोगिता के दौरान हंगामे और मारपीट की घटना के बीच आगरा में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का पुराना घटनाक्रम भी चर्चा में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक, आगरा के एक्मे इंस्टीट्यूट में हुई प्रतियोगिता के दौरान मुजफ्फरनगर के कुछ खिलाड़ियों ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ कथित तौर पर अभद्रता की थी। उस समय मामला आगे नहीं बढ़ा, लेकिन गाजियाबाद की घटना के बाद पुराने विवाद का जि यूक्र फिर होने लगा है। गाजियाबाद के मुरादनगर स्थित एचएलएम कॉलेज में शनिवार को आयोजित उत्तर प्रदेश पावरलिफ्टिंग-बेंच प्रेस प्रतियोगिता के दौरान हुए हंगामे और मारपीट ने प्रतियोगिताओं में अनुशासन बनाए रखने की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। आगरा में हुई प्रतियोगिता के दौरान कथित अभद्रता का मामला उस समय सार्वजनिक रूप से अधिक चर्चा में नहीं आया था। अब गाजियाबाद की घटना के बाद इस पुराने घटनाक्रम का उल्लेख हो रहा है। हालांकि, दोनों घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों की पहचान की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह कहना अभी उचित नहीं होगा कि गाजियाबाद में मारपीट करने वाले खिलाड़ी ही आगरा की घटना में भी शामिल थे। खेल प्रतियोगिताओं में अनुशासन बनाए रखने के लिए जरूरी है कि ऐसे मामलों में शिकायतों की जांच हो और संबंधित पक्षों का बयान सामने आए, ताकि खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर उठ रहे सवालों का तथ्यात्मक जवाब मिल सके।

फिरोजाबाद हादसा: एक साथ उठी चार बहनों की अर्थी, शिशुपाल ने खो दीं तीन बेटियां; मंजर देख रो पड़ा पूरा गांव

संवाददाता
फिरोजाबाद। शिकोहाबाद के गांव छटनपुर में हुए दर्दनाक हादसे के कारण पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। एक ही परिवार की तीन सगी बहनों की एक साथ दर्दनाक मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। तीनों सगी बहनों एवं एक चचेरी बहन को खेत में गड्ढा खोदकर दफनाया गया। इस हृदय विदारक घटना से गांव में सभी ग्रामीणों की आखें नम हो गईं। नसीरपुर क्षेत्र के गांव छटनपुर में झांझी-टेसू की शादी कराने के बाद सड़क किनारे पूजा-अर्चना कर रहे ग्रामीणों को दिल्ली की कार ने रौंद दिया था। इस घटना में एक ही परिवार की आकांक्षा (17), अंजलि (15) पुत्री शिशुपाल सिंह तथा इनकी चचेरी बहन दीपिका उर्फ बबली (19) पुत्री बृजेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि गुन्नू (10) पुत्री शिशुपाल सिंह की उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज फिरोजाबाद में मौत हो गई थी। वहीं इस घटना में गांव में ही रहने वाले हरीश कुमार (26) की भी मौत हुई थी। एक ही गांव में तीन सगी बहनें, एक चचेरी बहन एवं एक युवक की मौत होने से गांव में मातम पसर गया। सोमवार सुबह सभी के शव पोस्टमार्टम के बाद गांव में पहुंचे। शव के गांव में पहुंचते ही गांव में चीख-पुकार मच गई। परिवार ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों की आखें भी इस हृदय विदारक घटना को देखने के बाद नम हो गईं। मौके पर सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी एवं नसीरपुर इंस्पेक्टर जसवीर सिंह, शिकोहाबाद इंस्पेक्टर अनुज कुमार राणा एवं सिरसागंज इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह भारी संख्या में पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। जिनकी निगरानी में जेसीबी से शिशुपाल के खेतों में गड्ढा खुदवाकर चारों बहनों के शवों को सुबह 10 बजे करीब दफनाया गया। थाना नसीरपुर के गांव छंटनपुरा निवासी किसान शिशुपाल ने हादसे में तीनों बेटियों को खो दिया है। रविवार का दिन उसके लिए काला साबित हुआ। क्योंकि उसके तीन बेटियों एवं दो बेटे हैं। कार सवारों के रौंदने से उसकी दो बेटी अंजलि एवं आकांक्षा की तो मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल गुन्नू ने भी फिरोजाबाद ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बिलखते हुए शिशुपाल ने बताया कि आकांक्षा उर्फ दीक्षा उसकी सबसे बड़ी बेटी थी। दूसरे नंबर की अंजलि दोनों ही कक्षा आठ में पढ़ रही थीं। जबकि गुन्नू चौथे नंबर की है वह कक्षा एक में पढ़ती है। तीन बहनों आकांक्षा, अंजलि और गुन्नू की मौत के बाद शिशुपाल का पूरा परिवार बिखर गया। एक साथ तीनों बेटियों की मौत के बाद उनकी मां राधा देवी, दो छोटे भाई कमल (11) एवं बाबू (5) साल का रो-रोकर बुरा हाल था। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद-बटेश्वर मार्ग स्थित गांव छटनपुरा में रविवार रात को हुए हादसे से हाहाकार मच गया। टेसू-झांझी का ब्याह कराने के बाद विसर्जन करने जा रहे बच्चों, महिलाओं, युवाओं की टोली को बटेश्वर की ओर से आ रही अनियंत्रित कार 17 लोगों को रौंदती हुई चली गई। चार बहनों समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य घायल हो गए। ग्रामीणों ने भागती कार को ट्रैक्टर लगाकर पकड़ लिया। घायलों को फिरोजाबाद ट्रॉमा सेंटर और आगरा भेजा गया है। देर रात शव उठाने पर ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। गांव में एसपी देहात, एसडीएम सहित कई थानों का फोर्स पहुंच गया। पुलिस के अनुसार थाना नसीरपुर इलाके के गांव छटनपुरा के महिला-पुरुष एवं बच्चे टेसू-झांझी की शादी की रस्में अदा करने शिकोहाबाद बटेश्वर रोड पर गए हुए थे। रात करीब 9 बजे जब सभी लोग पूजा करने के लिए सड़क किनारे बैठे थे, तभी अचानक बटेश्वर की ओर से आ रही कार ग्रामीणों को रौंदती हुई आगे बढ़ गई। हादसा होते ही चीखपुकार मच गई। घायल सड़क पर तड़पने लगे। हादसे के बाद ग्रामीणों ने कार का पीछा किया और थोड़ी दूर पर ट्रैक्टर को खड़ा करके रास्ता बंद कर दिया। तभी कार सवारों ने ट्रैक्टर में टक्कर मार दी।

टक्कर मारकर दौड़ाई कार, रोकने पर बौखलाए, 17 लोग रौंदे, पांच की मौत; फिरोजाबाद हादसे की पूरी कहानी

संवाददाता
फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में रविवार की रात जिस छंटनपुरा गांव में महिलाएं टेसू-झांझी की शादी के मंगलगीत गाते हुए विसर्जन के लिए निकली थीं वह खुशियां कुछ ही पलों में चीत्कार और असहनीय दर्द में बदल गईं। एक तेज रफ्तार कार ने उत्सव मना रहे लोगों को बेरहमी से रौंद दिया। पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। 12 लोग घायल हो गए। इस वीभत्स घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। घायल चंद्रवीर ने बताया कि कार सवारों ने पहले बटेश्वर की ओर से आते समय लोगों को टक्कर मारी और भागने का प्रयास किया। जब ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को सड़क पर लगाकर उनकी घेराबंदी करने की कोशिश की तो बौखलाए कार सवारों ने भागने की फिराक में भीड़ को दोबारा जोरदार टक्कर मार दी। इस खूनी खेल के दौरान चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद कार में सवार लोग भी घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही इलाका पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला संयुक्त अस्पताल शिकोहाबाद भेजा। हादसे में मृत हुईं दो सगी बहनों आकांक्षा और अंजलि के शवों को रात सवा दस बजे जैसे ही पुलिस पोस्टमार्टम के लिए ले जाने लगी तो ग्रामीणों ने शव उठाने का कड़ा विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आक्रोश था कि घटना की सूचना देने के बाद भी पुलिस समय पर नहीं पहुंची। जिससे गुस्साए लोगों ने नाराजगी जताई। हंगामे की सूचना मिलते ही डीएम संतोष कुमार शर्मा और एसएसपी आदित्य लांग्हे मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत किया। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया जा सका। भीषण हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक व पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। डीएम संतोष कुमार शर्मा, एसएसपी आदित्य लांग्हे, एसपी देहात अनुज चौधरी, सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी, सीओ शिकोहाबाद जयबिंद गुप्ता, एसडीएम शिकोहाबाद राजेश शुक्ला, इंस्पेक्टर मक्खनपुर चमन शर्मा और सिरसागंज इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का कुशलक्षेम जाना।

तीन बदमाश गिरफ्तार, 10 मोबाइल बरामद

संवाददाता
नोएडा। नोएडा में मोबाइल चोरी और छीनने वाले तीन बदमाशों को सेक्टर-24 थाना पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से अलग-अलग कंपनियों के 10 मोबाइल फोन, 3 हजार रुपये और तीन अवैध चाकू बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दिल्ली-एनसीआर में भीड़भाड़ वाली जगहों पर लोगों की जेब से मोबाइल चोरी करते थे। इसके अलावा राह चलते लोगों से मोबाइल छीनने की वारदात भी करते थे। एडीसीपी अभय कुमार मिश्र ने बताया कि सेक्टर-24 थाना पुलिस की टीम नोएडा स्टेडियम के गेट नंबर-4 के पास संदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मोदी मॉल की तरफ से तीन लोग पैदल आते दिखाई दिए। पुलिस को चेकिंग करते देखकर तीनों पीछे मुड़कर तेजी से चलने लगे। शक होने पर पुलिस ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 10 मोबाइल फोन और तीन चाकू मिले। आरोपियों की पहचान दिल्ली के पुरानी दिल्ली निवासी विक्की (43), सीलमपुर निवासी जाकिर (48) और गाजियाबाद के साहिबाबाद निवासी मोहम्मद जाकिर (38) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, विक्की के पास से पांच मोबाइल फोन और 2 हजार रुपये मिले। जाकिर के पास से तीन मोबाइल और एक हजार रुपये बरामद हुए। तीसरे आरोपी मोहम्मद जाकिर के पास से दो मोबाइल मिले। पूछताछ में विक्की और जाकिर ने बताया कि करीब 8 से 10 दिन पहले उन्होंने सेक्टर-34 की सर्विस रोड पर ऑटो में बैठी एक महिला का आईफोन चोरी किया था। बाद में उन्होंने इसे राह चलते एक व्यक्ति को बेच दिया। पुलिस के मुताबिक, बरामद 3 हजार रुपये इसी

स्वाभिमान जागरण
हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एंव सम्पादक इम्तियाज़ अंसारी द्वारा सुपीरियर प्रिन्टर्स 245 माहम सिटी तिकोनिया पारा लखनऊ,(उ०प्र०)-11 से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजीमार्ग हुसैनगंज लखनऊ उ0प्र0-01 से प्रकाशित।
संपादक
आलोक कुमार केसरवानी
प्रधान संपादक
इम्तियाज़ अंसारी
6392273876
Email-dainikswabhimanjagran.india@gmail.com
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं अस्थाई है समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।